अस्पताल प्रबंधन की कारस्तानी, सुधारने की बजाए कबाड़ करने में लगे फायर सेफ्टी

मेडिकल संबद्ध जिला अस्पताल में आग लगने पर में नहीं बजेगा अलार्म !

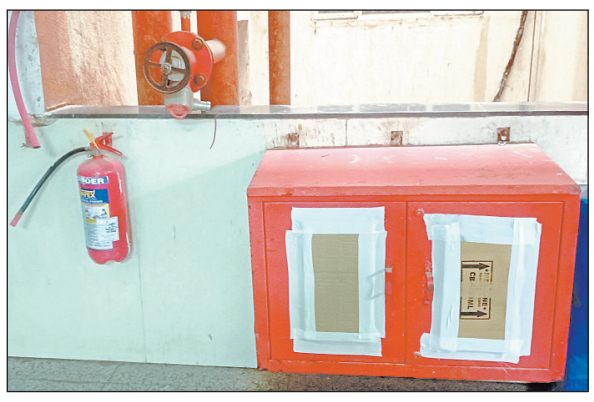

नवभारत न्यूज
छिंदवाड़ा,8 मार्च. मेडिकल संबद्ध जिला अस्पताल में प्रबंधन ने आग बुझाने में कारगर प्राथमिक संसाधन फायर सेफ्टी कबाड़ में तब्दील गया है। अग्नि सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण उपकरण स्मोक डिटेक्टर है, जो हवा में धुएं के कणों का पता लगाकर आग लगने की स्थिति में अलार्म बजाता है।

यह आग से होने वाली मौतों और चोटों को कम करने के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के रूप में काम करता है, जिससे लोगों को सुरक्षित बाहर निकलने का समय मिल जाता है। यह उपकरण भी खराब हो चुका है। प्रबंधन ने फायर सेफ्टी को सुधारने की बजाए कलर पेंट कर उसमें कागज या टीन का टुकड़ा बेल्डिंग कर गलतिया छुपाने में लगे हुए है। उन्हें इस बात की कतई भी चिंता नहीं है कि भविष्य में अस्पताल में आग लग जाए तो उससे हजारों मरीजों और उनके परिजनों को कैसे बचाना है। जबकि इसको लेकर प्रषासन से लेकर नगर निगम भी इसे सुधारने हिदायत दे चुका है। इसके बाद भी अस्पताल प्रबंधन का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। बता दें कि जिला अस्पताल की पांच मंजिला बिल्डिंग को आग से सुरक्षित करने सेफ्टी फायर लगाया गया था। समय बीतने के साथ ही फायर सेफ्टी के बाक्स के कांच फोड़कर अंदर लगे पाइप नोजल सहित चोरी हो गए। अधिकांश मंजिलों के यही हालात है। राजएक्सप्रेस ने यह इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित की थी। जिसके बाद प्रबंधन ने फायर सेफ्टी को सुधार करने की बजाय बाक्स के पल्लों में जिनमें कांच और लॉक लगा हुआ था। इन बाक्सों के पल्लों में खड्डा चिपका दिया गया, या तो टीन का टुकड़ा से बेल्डिंग कर दी गई। अब ऐसे में फायर संसाधन सिर्फ दिखावा साबित हो रहा है। आग लगने के दौरान यह फायर सेफ्टी किसी काम का नहीं रहेगा।

सिलेंडर भी गायब

इधर आग में पानी डालने के सभी संसाधन पूरी तरह कबाड़ हो गए है। अब महज कुछ फ्लोर में छोटे सिलेंडर बचे है। जो आग पर काबू पाने के लिए नाकाफी साबित होंगे। कुछ फ्लोर से सिलेंडर गायब हो गए है। वही कुछ फ्लोर में सिलेंडर बचे है, जो इतनी बड़ी आग पर कैसे काबू पाएंगे। यह सोचने वाली बात है।

स्मोक डिटेक्टर के बारे में मुख्य बातें

कार्यप्रणाली: इसमें लगे सेंसर धुएं को महसूस करते हैं। जैसे ही धुएं की सघनता एक निश्चित स्तर से ऊपर होती हैयह जोर से अलार्म बजाता है।

प्रकार

फोटोइलेक्ट्रिक डिटेक्टर: प्रकाश की किरण का उपयोग करते हैंजो सुलगती हुई आग के लिए बेहतरीन हैं।

आयनीकरण डिटेक्टर: तेजी से फैलने वाली आग में जल्दी चेतावनी देने में अधिक संवेदनशील होते हैं।

ड्यूल सेंसर डिटेक्टर: दोनों तकनीकों का मिश्रण जो बेहतर सुरक्षा प्रदान करते हैं।

महत्व: ये धुएं के कारण दम घुटने से बचाते हैं, क्योंकि ज्यादातर आग से होने वाली मौतें धुएं के कारण होती हैं न कि आग से।

स्थापना: इन्हें शयनकक्षों, हॉल और हर मंजिल पर लगाना चाहिए।

रखरखाव: ।72 मानक के अनुसार इन्हें हमेशा काम करने की स्थिति में रखने के लिए महीने में एक बार टेस्ट करना चाहिए। हर 6 महीने में बैटरी बदलनी चाहिए और 10 साल बाद पूरा यूनिट बदल देना चाहिए।

रंग पंचमी : गेर में जमकर बरसा रंग गुलाल

टैकर में रंग घोलकर की फुहारों की बौछार, 10 टन से अधिक का उड़ाया गुलाल

नवभारत न्यूज
छिंदवाड़ा,8 मार्च. शहर में रविवार को रंग पंचमी के अवसर पर पारंपरिक गेर का भव्य आयोजन किया गया। गांधीगंज से शुरू होकर दशहरा मैदान पहुंची इस यात्रा में लगभग दस टन से ज्यादा गुलाल उड़ाया गया और 3 टैंकरों से रंगीन पानी की बौछारें की गई, गेर के शांतिपूर्ण समापन के बाद अब शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू कर दिया गया है।

गेर का शुभारंभ शहर के गांधीगंज इलाके से हुआ। इसके बाद यह फाग यात्रा श्याम टॉकीज, चार फाटक और छोटा तालाब होते हुए आगे बढ़ी। पुराना पावर हाउस, छोटी बाजार, गोलगंज और फव्वारा चौक होते हुए यह गैर अंत में दशहरा मैदान पहुंचकर संपन्न हुई। पूरे यात्रा मार्ग में युवाओं और शहरवासियों ने जमकर एक-दूसरे पर रंग-गुलाल उड़ाया और नाचते-गाते हुए रंग पंचमी का उत्सव मनाया। आयोजन के दौरान हुलियारों पर तीन बड़े टैंकरों से लगातार रंगीन पानी की बौछार की गई। दशहरा मैदान में सैकड़ों की संख्या में युवक-युवतियां मौजूद रहे, जिन्होंने पानी की फुहारों और डीजे की धुनों के बीच जमकर होली खेली। इस पूरे कार्यक्रम और गेर यात्रा के दौरान दस टन से अधिक गुलाल उड़ाया गया, जिससे युवाओं में भारी उत्साह देखने को मिला और उन्होंने बढ़-चढ़कर इसमें भाग लिया।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, रूट किया गया था डायवर्ट

आयोजन को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। गेर के पूरे रूट के साथ-साथ दशहरा मैदान में भी बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए नागपुर रोड से दशहरा मैदान होते हुए अंगद हनुमान मंदिर जाने वाले मार्ग को अस्थायी रूप से बंद किया गया था।

अज्ञात आरोपियों ने वृद्धा के साथ की मारपीट

- बचाने गए व्यक्ति के साथ भी की मारपीट, पुलिस ने किया मामला दर्ज

नवभारत न्यूज
छिंदवाड़ा,8 मार्च. जुन्नारदेव थाना क्षेत्र के दिलावर गांव में अज्ञात आरोपियों द्वारा वद्धा के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया है। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है। बताया जा रहा है कि रात में सोत समय वृद्धा पर हमला किया है। जानकारी अनुसार बुग्गो बाई अपने नाती नातिन के साथ बाहर छपरी में सो रही थी।

वही उसके बेटा बहू अंदर कमरे में सो रहे थे। देर रात करीब 1 बजे कुछ अज्ञात लोग पीड़िता के घर पहुंचे। पीड़िता पर हमला कर दिया। चीख-पुकार सुनकर उनका संमधि उन्हें बचाने पहुंचा। उसके साथ भी अज्ञातों ने जमकर मारपीट की। हालांकि संबद्धि ने एक अज्ञात आरोपी को पकड़ लिया था। अज्ञात ने छूटने के लिए संबधि पर किसी हथियार से हमला कर दिया। शोरगुल के बाद अज्ञात वहां से भाग निकले। इस घटना में दोनों को चोटें आई है।

पीड़िता ने थाने पहुंचकर इस मामले में शिकायत दर्ज करवाई है। टीआई जगोति मसराम ने बताया कि आरोपी अज्ञात है। पीड़िता उनका अंधेरे में चेहरा नहीं देख पाई। पीड़िता के मुताबिक पुरानी रंजिस वाला कोई हो सकता है। हालांकि पुलिस इस मामले में पड़ताल कर रही है।

52 ताश पत्तों पर दांव लगाते चार आरोपी धराए

नवभारत न्यूज
छिंदवाड़ा,8 मार्च. . थाना नवेगांव क्षेत्र में बीती रात पुलिस ने जुआ खेलते हुए चार जुआरियों को धर दबोचा है। पुलिस ने जुआरियों पर जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की है। जानकारी मुताबिक एसपी अजय पांडे और एएसपी आशीष खरे के निर्देश पर थाना नवेगांव में पुलिस लगातार अवैध कारोबार पर कार्रवाई कर रही है। बीती रात पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि खेत में जुआ फड़ को अंजाम दिया जा रहा है। पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने चारों ओर से दबिश देकर चार जुआरियों को दबोच लिया। जिनके कब्जे से कुल 4450 रुपये नगदी, 52 तास के पत्ते जप्त किए। पुलिस ने जुआरियों धारा 13 जुआ एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपियों में लाला पिता भैय्यालाल धुर्वे उम्र 45 साल निवासी ग्राम उमरघोड़ खुर्द, रामेश्वर पिता सनकराम आहके उम्र 29 साल निवासी ग्राम मोहगांव किसन, सकरसिंग पिता भूलन पंद्राम उम्र 36 साल निवासी ग्राम मोहगांव किसन और सुधीर पिता दस्सू बेलवंशी उम्र 32 साल निवासी ग्राम उमरघोड़े खुर्द थाना नवेगांव शामिल है। इस मामले में थाना प्रभारी उप निरीक्षक तरूण सिंह मरकाम, प्रआर. 169 जयप्रकाश, आर. 900 रुमन सिंह, आर. 1087 सोनू वरकडे, आर. 1089 रामकिशोर धुर्वे की अहम भूमिका रही ।

हिन्दु पंजाबी समाज महिला संगठन ने मनाया विश्व महिला दिवस और रंग पंचमी का कार्यक्रम

बड़े पर्दे पर उठाया 20-20 फाइनल मैच का लुत्फ

छिंदवाड़ा,8 मार्च. टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल के मैच का शहर की जनता ने बड़े पर्दे के साथ साथ घरों में एलईडी में मैच का लुत्फ उठाया। मैच के शुरू होते ही लोग अपने अपने घरों, इलेक्ट्रानिक दुकानों, मोबाइलों सहित पान दुकानों पर मैच देखते नजर आए। बता दें कि न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग करने का निर्णय लिया है। यह मैच नरेंद्र मोदी स्टैडियम अहमदाबाद में खेला जा रहा है। भारत ने अपनी सेमी फाइनल टीम को खेलने का मौका दिया है। टीम में कोई परिवर्तन नहीं किया गया। ओपनिंग में अभिषंक शर्मा और संजू सेमसन क्रीज पर पहुंच चुके थे। न्यूजीलैंड की ओर बॉलिंग करने मेट हेनरी ने पहला ओवर डाला। जिसमें सेमसन ने ओपनिंग की शुरूआत की। समचार लिखे जाने तक चिरपरिचित अंदाज में सेमसन ने छक्के मारकर खाता खोला। भारत 18 ओवर में 220 चुका था। क्रीज पर हार्दिक और तिलक खेल रहे थे.

संदिग्ध अवस्था में युवक की मौत

छिंदवाड़ा। चौरई के हिवरखेड़ी गांव के एक युवक की संदिग्ध बुधवार अवस्था में मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। बताया जा रहा है कि उसका शव चोर गांव ब्रिज के समीप मिला है।जानकार अनुसार कृष्णकुमार पिता देवचंद वर्मा उम्र 35 साल हिवरखेड़ी गांव का रहने वाला है। वह शनिवार को अपने परिवार को लेकर पालरी गांव गया हुआ था। वहां से परिवार छोड़कर वह लौट आया। रविवार की सुबह सूचना मिली कि उसका शव चोरगांव के समीप पड़ा हुआ है। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को मरच्यूरी पहुंचाया। बताया जा रहा है कि उसकी गर्दन में चोट के निशान पाए गए है। हालांकि पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणा का खुलासा होगा।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस : महर्षि विद्या मंदिर में स्मार्ट लेडी कम्पटीशन का कार्यक्रम सम्पन्न

नवभारत न्यूज
छिंदवाड़ा,8 मार्च. स्थानीय महर्षि विद्या मंदिर, नागपुर रोड छिंदवाड़ा में रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर स्मार्ट लेडी कम्पटीशन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ. कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथिगण सुश्री मालती बनारसे (सेवानिवृत्त प्राध्यापक), श्रीमती खुशी अग्रवाल (सी.ए.) एवं श्रीमती माही खंडेलवाल (सचिव इंटरव्हील क्लब छिंदवाड़ा) के आतिथ्य में हुआ। परम्परा अनुसार पूजन के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।

प्राचार्या श्रीमती श्रद्धा श्याममोहन त्रिपाठी ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। स्मार्ट लेडी कम्पटीशन की गतिविधि में उपस्थित अभिभावक महिलाओं को सामान्य ज्ञान के प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए प्रश्नपत्र वितरित किए गए। मौखिक प्रश्नोत्तरी में पहेलियाँ पहचान करना, फायरलेस कुकिंग, तात्कालिक दोहे कहना व खुलकर बोलना आदि एवं क्राफ्ट, फैंसी परिधान गतिविधियाँ आयोजित की गई.उपरांत प्रथम स्थान प्राप्त अभिभावक महिला अनीता श्रीवास्तव, द्वितीय स्थान श्रावी गोनेकर, तथा तृतीय स्थान गीता बांदेवार एवं ऋतु पाण्डे को प्राप्त हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती माही खंडेलवाल ने अपने उद्बोधन में विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज समाज के सर्वांगीण विकास में महिलाओं की अहम भूमिका है। प्रत्येक नारी अमूल्य योगदान दे सकती है। सुश्री मालती बनारसे ने महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आज के संदर्भ में महिलाओं को भी निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। सी.ए. श्रीमती खुशी अग्रवाल ने कहा कि नारी को ईश्वर ने ही सामर्थ्यवान बनाकर भेजा है, केवल अपनी सामर्थ्य पहचान हो यही सुखद कार्य है।अंत में प्राचार्या श्रीमती श्रद्धा श्याममोहन त्रिपाठी ने सभी महिलाओं को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

कार्रवाई ▶ नगर निगम का अग्नि शमन विभाग अब तक 350 संस्थाओं को दे चुका नोटिस

उद्योग और संस्थान नहीं ले रहे फायर सेफ्टी एनओसी

नवभारत न्यूज
छिंदवाड़ा,8 मार्च. निगम के 48 वार्डो में 350 लघु उद्योग, अस्पताल, स्कूल, मेरिज लॉन और अन्य संस्थाएं है, जिन्हें अभी तक फायर एनओसी हासिल करने का नोटिस दिया जा चुका है। इनमें 150 संस्थाओं ने फायर एनओसी ले ली है। शेष संस्थाओं पर निगम दबाव बनाए हुए है। दवाब के बाद भी करीब 250 संस्थाएं फायर सेफ्टी एनओसी लेने में कोई दिलचस्पी नहीं ले रही है...

शहर में जनवरी-फरवरी में दो आग की बड़ी घटनाएं घट चुकी है। बावजूद इसके बड़े उद्योग और संस्थाएं फायर एनओसी लेने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। नगर निगम का अग्नि शमन विभाग अब तक 350 संस्थाओं को नोटिस दे चुका है। केवल 150 संस्थाओं ने रुचि लेकर काम किया है। शेष संस्थाओं को नोटिस पे

नोटिस देकर समझाइश दी जा रही है। इसके बाद भी संस्थान फायर सेफ्टी का पालन नहीं कर रहे है। ऐसे में फिर आग की बड़ी घटना होने से इंकार नहीं किया जा सकता।

अग्नि शमन अधिकारियों की मानें तो निगम के 48 वार्डो में 350 लघु उद्योग, अस्पताल, स्कूल, मेरिज लॉन और अन्य संस्थाएं है। इन संस्थाओं में खुद का फायर सिस्टम विकसित करने की कोशिश की जा रही है। इसके लिए फायर एनओसी हासिल करने का नोटिस दिया जा चुका है। अधिकांश संस्थाओं में अब तक फायर सिस्टम विकसित नहीं हो पाया है। दरअसल इसका कारण नियम की कमी है। इस पर केवल 500 से 1000 रुपए का जुर्माना वसूल करने का नियम है। इस वजह से लोग इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। फायर सिस्टम विकसित करने में 2 से 2.50 लाख रुपए का खर्च है।

इन घटनाओं से नहीं सीख रहे सबक

पहली घटना 23 जनवरी 2026 में इमलीखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में एक प्लास्टिक पाइप फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। 80 लाख रुपये से अधिक का कच्चा माल और मशीनें जलकर खाक हो गया। दमकल की 10-12 गाडियों ने 5 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

दूसरी घटना 12 फरवरी 2026 को बुधवारी बाजार स्थित भारत रुई भंडार में देर रात करीब 12.30 बजे आग भडक उठी। लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। उसे संभालने में 7 फायर ब्रिगेड को लगाया गया। निगम की तीन फायर बिग्रेड थी। शेष दूसरी नगरीय निकायों की थी। इन घटनाओं के बाद भी उद्योग और बडे संस्थान कोई सबक नहीं ले रहे है।

इनका कहना है...

नगर निगम क्षेत्र की 350 संस्थाओं को फायर एनओसी लेने नोटिस दे चुके है। इनमें से 150 संस्थाओं ने फायर सेफ्टी एनओसी ली है। करीब 200 संस्थाओं को लगातार नोटिस देकर चेतावनी दी जा रही है। चेतावनी के बाद भी नहीं माने से कार्रवाई की जाएगी।

अभिषेक दुबे, अग्नि शमन अधिकारी, नगर निगम

मानवता हॉस्पिटल
समर्पित सेवा भाव
मल्टीस्पेशिलिटी
डॉ. बबीता ठाकुर
एम.बी.बी.एस., एम.एस., प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग से संबंधित सारी सुविधाएं, नॉर्मल एवं सिजेरियन डिलीवरी एवं बच्चेदानी का ऑपरेशन उचित दामों पर।
डॉ. आशुतोष सिन्हा
एमबीबीएस एफएमजी, एमडी फिजिशियन (कंसल्टेंट फिजिशियन)
उपलब्ध सुविधाएं :- आकस्मिक चिकित्सा, आई.सी.यू., क्रिटिकल केयर ऑपरेशन, लेप्रोस्कॉपी, एक्सरे, पैथोलॉजी लैब, ट्रामा और एक्सीडेंट केयर एवं अन्य सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध। 24/7 EMERGENCY SERVICES
पताः-भुवनेश्वर टॉवर, परासिया नाका, छिंदवाड़ा (म.प्र)
संपर्क करें- 07162-359522, 7974426766

आरोग्य मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
इमरजेंसी सेवा, कार्डियक सेंटर एवं एक्सीडेंटल केयर, लेप्रोस्कोपिक एवं नजरल सर्जरी
हमें आवश्यकता है....
नर्सिंग स्टाफ - 10 -: योग्यताः- B.Sc/M.Sc Nursing/GNM)
ड्यूटी डॉक्टर - 5 -: योग्यताः- MBBS/BAMS/ BHMS
रिसेप्शनिस्ट - 4 -: योग्यताः- Graduation+C omputer
टेली कॉलर - 2 -: योग्यताः- Graduation
हाउसकिपिंग स्टाफ - 4 (पुरुष (2) महिला (2)
सुरक्षा गार्ड- पुरूष -: योग्यताः- ऊंचाई-5*7, वजन-60+, 12वीं पास
रिक्त पदः- प्राथमिकता एक्सपियरेंस कैंडिडेट्स को दी जाएगी (कम से कम 2 वर्ष)
संपर्क करें- 6262640426, 8770507313, 9425845455
पता- पूजा लॉज के आगे परासिया रोड, छिंदवाड़ा (म.प्र.)
इंटरव्यू-1-4 PM आपका सीवी एंड रिज्यूम इस नंबर पर भेंज- 6262640426, शॉर्टलिस्टेड कैंडिडेट्स को इंटरव्यू के लिए कॉल की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा. लि. के लिये मुद्रक, प्रकाशक आशीष श्रोती द्वारा हितकारिणी, प्रिंटिंग प्रेस सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित एवं गुजराती समाज भवन, नई आबादी छिंदवाड़ा से प्रकाशित । संपादक क्रांति चतुर्वेदी। * फोन- 235677, 235988 E-mail-nbchh123@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत जिम्मेदार RNI Reg. No. MPHIN/2000/2589